A.C. : 10.05.2025
Appendix-8

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

B.A. (Hons.) Hindi
VII Semester

Sr. No.	Paper Type	Paper Name	Page No.
1	DSC-19	• हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाएं	2-3
2	DSE (रचनाकार केंद्रित अध्ययन)	• कबीरदास	4-5
		• तुलसीदास	6-7
		• भारतेंदु हरिश्चंद	8-9
		• जयशंकर प्रसाद	10-11
		• महादेवी वर्मा	12-13
		• सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन ‘अज्ञेय’	14-15

हिन्दी विभाग
दिल्ली-7
दिल्ली विश्वविद्यालय

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
B.A. (Hons.) Hindi
सेमेस्टर VII – DSC
हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाएं

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC-19 हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाएं	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को भारत के बहुभाषिक परिदृश्य के प्रति जागरूक करना।
- भारत में भारतीय भाषाओं के महत्व को रेखांकित करना।
- हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाओं के अंतर्संबंध एवं सहअस्तित्व से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी भारत के बहुभाषिक परिदृश्य के प्रति सजग होंगे।
- भारत में भारतीय भाषाओं के महत्व को समझ सकेंगे।
- हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाओं के अंतर्संबंध एवं सहअस्तित्व से परिचित होंगे।

इकाई – 1 : भारत का भाषिक परिदृश्य **(12 घंटे)**

- भारत की भाषिक विविधता
- भाषा परिवार एवं भारतीय भाषाएं
- भारत की शास्त्रीय भाषाएं
- आधुनिक भारतीय भाषाएं

इकाई – 2 : भारतीय भाषाओं का संवैधानिक परिप्रेक्ष्य **(9 घंटे)**

- संविधान सभा में भारतीय भाषाओं का प्रश्न
- आठवीं अनुसूची की संकल्पना
- राजभाषा हिंदी

हिन्दी विभाग दिल्ली–7 दिल्ली विश्वविद्यालय

इकाई – 3 : देवनागरी लिपि एवं भारतीय भाषाएं **(12 घंटे)**

- भाषा एवं लिपि का अंतर्संबंध
- प्रमुख भारतीय भाषाएं एवं उनकी लिपि
- देवनागरी लिपि एवं विभिन्न भारतीय भाषाएं
- लिपि रहित भारतीय भाषाओं का संदर्भ एवं लिपि निर्माण

इकाई – 4 : हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाओं का अंतर्संबंध **(12 घंटे)**

- वि-उपनिवेशीकरण की प्रक्रिया एवं भारतीय भाषाएं
- 'स्व' की अवधारणा एवं 'स्वभाषा' का प्रश्न
- राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन एवं भारतीय भाषाएं
- भारत का वर्तमान बहुभाषिक परिप्रेक्ष्य एवं संपर्क भाषा

सहायक ग्रंथ :

1. बोरा, डॉ. राजमल; भारत की भाषाएं, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
2. तिवारी, भोलानाथ; हिंदी भाषा का इतिहास, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
3. चाटुर्ज्या, सुनीति कुमार; भारतीय आर्यभाषा और हिंदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. शर्मा, रामविलास; भारत की भाषा समस्या, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. चट्टोपाध्याय, सुनीति कुमार; भारत की भाषाएं और भाषा संबंधी समस्याएं, महादेव साहा (अनुवाद), हिंदी भवन, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।
6. शास्त्री, कलानाथ; मानक हिंदी का स्वरूप, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
7. शर्मा, रामविलास; भारत की प्राचीन भाषा परिवार और हिंदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
8. शर्मा, रामविलास; भाषा और समाज, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
9. गिरि, राजीव रंजन; परस्पर : भाषा-साहित्य-आंदोलन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
10. देवी, गणेश (मुख्य संपादक); भारतीय भाषा लोक सर्वेक्षण, ओरिएंट ब्लैकस्वान, नोएडा, उत्तर प्रदेश।
11. नंदकुमार, जे.; राष्ट्रीय स्वत्व के लिए संघर्ष : अतीत, वर्तमान और भविष्य, इंडस स्क्रॉल प्रेस, नयी दिल्ली।

हिन्दी विभाग
दिल्ली-7
दिल्ली विश्वविद्यालय

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
B.A. (Hons.) Hindi
सेमेस्टर VII – DSE
कबीरदास

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE कबीरदास	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- भक्ति आंदोलन में कबीरदास के महत्व को रेखांकित करना।
- कबीरदास के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित कराना।
- कबीरदास के रचनात्मक योगदान को रेखांकित करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी भक्ति आंदोलन में कबीरदास के महत्व को समझ सकेंगे।
- कबीरदास के बहुआयामी व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित हो सकेंगे।
- कबीरदास के रचनात्मक योगदान को जान सकेंगे।

इकाई – 1 : कबीर का जीवन वृत्त एवं रचनाएं **(9 घंटे)**

- कबीर का जीवन परिचय
- भक्ति आंदोलन और कबीर
- कबीर की रचनाएं (साखी, सबद, रमैनी)
- कबीर की भाषा

इकाई – 2 : कबीर का समय **(12 घंटे)**

- सामाजिक परिस्थितियां
- राजनीतिक परिस्थितियां
- धार्मिक परिस्थितियां
- सांस्कृतिक परिस्थितियां

हिन्दी विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय

इकाई – 3 : कबीर का व्यक्तित्व **(12 घंटे)**

- कबीर का समाज सुधार
- कबीर का चिंतन (दर्शन एवं धर्म)
- कबीर की भक्ति
- कबीर की लोकप्रियता एवं कबीर पंथ

इकाई – 4 : पाठ आधारित व्याख्या (साखी एवं पदावली से चुने हुए अंश) **(12 घंटे)**

- नैनां अंतरि आव तूं ..... हम जाणौं अरु दुख ॥ (निहकर्मी पतिब्रता कौ अंग, दोहा संख्या 2 से 6)
- लोग विचारा नींदई .... मुकति न कबहूँ न होइ ॥ (निंद्या कौ अंग, दोहा संख्या 1 से 5)
- करम कोटि कौ ग्रेह रच्यौ रे, ... उदित भया तम षीनां ॥ (पद संख्या 5 से 16)
- गुण मैं निर्गुण निर्गुण मैं गुण है, ... जानि ढारें पासा ॥ (पद संख्या 180 एवं 235)
  (कबीर ग्रंथावली, डॉ. श्यामसुंदर दास (संपादक), इंडियन प्रेस लिमिटेड, प्रयागराज)

सहायक ग्रंथ :

1. कबीर साखी : कबीर पारख संस्थान, प्रीतम नगर, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश।
2. बीजक : लक्ष्मी प्रकाशन, बल्लीमरान, दिल्ली।
3. दास, डॉ. श्यामसुंदर; कबीर ग्रंथावली, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
4. अग्रवाल, पुरुषोत्तम; कबीर (साखी और सबद), नेशनल बुक ट्रस्ट, नयी दिल्ली।
5. द्विवेदी, डॉ. हजारी प्रसाद; कबीर, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
6. नीलोत्पल (संपादक); कबीर दोहावली, प्रभात पेपर बैक्स, नयी दिल्ली।
7. द्विवेदी, केदारनाथ; कबीर और कबीर पंथ, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।
8. चतुर्वेदी, परशुराम; उत्तरी भारत की संत परंपरा, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।
9. बड़थ्वाल, पीतांबर दत्त; कबीर काव्य की निर्गुण धारा, तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली।
10. तिवारी, रामचंद्र; कबीर मीमांसा, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।

हिन्दी विभाग दिल्ली-7 दिल्ली विश्वविद्यालय

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

B.A. (Hons.) Hindi

सेमेस्टर VII – DSE

तुलसीदास

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE तुलसीदास	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- तुलसीदास के साहित्यिक योगदान से परिचय करवाना।
- भक्ति आंदोलन के संदर्भ में तुलसीदास का आलोचनात्मक अध्ययन।
- तुलसी-साहित्य (बालकांड, सुंदरकांड एवं विनय पत्रिका) का अध्ययन-विश्लेषण।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी तुलसीदास के जीवन के विविध पहलुओं से परिचित हो सकेंगे।
- विद्यार्थी भक्ति आंदोलन के संदर्भ में तुलसीदास के साहित्य को जान पाएंगे।
- विद्यार्थी बालकांड, सुंदरकांड एवं विनय पत्रिका के महत्व को समझने में समर्थ होंगे।

इकाई – 1 : तुलसीदास : युग एवं साहित्य (12 घंटे)

- तुलसीदास का साहित्यिक योगदान
- भक्ति आंदोलन का स्वरूप और तुलसीदास
- रामभक्ति शाखा की विशेषताएं
- रामकाव्य परंपरा में तुलसीदास
- भारतीय सौंदर्य-बोध और तुलसीदास

इकाई – 2 : श्री रामचरितमानस (गीता प्रेस, गोरखपुर द्वारा प्रकाशित) (12 घंटे)

- बालकांड : दोहा 201 से 205 तक (चौपाई सहित)
- सुंदरकांड : दोहा 3 से 10 तक (चौपाई सहित)

इकाई – 3 : विनयपत्रिका (गीता प्रेस, गोरखपुर द्वारा प्रकाशित) **(9 घंटे)**

- पद संख्या – 100 से 110 तक

इकाई – 4 : तुलसी-साहित्य की प्रवृत्तियां **(12 घंटे)**

- तुलसीदास की भक्ति-भावना
- तुलसीदास की समन्वय-चेतना
- तुलसीदास की सामाजिक-चेतना
- रामचरितमानस में राम-सुग्रीव मैत्री-प्रसंग
- तुलसीदास का भाषा-शिल्प

सहायक ग्रंथ :

1. त्रिपाठी, विश्वनाथ; लोकवादी तुलसीदास, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
2. शुक्ल, आचार्य रामचंद्र; गोस्वामी तुलसीदास, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली।
3. शुक्ल, आचार्य रामचंद्र; त्रिवेणी, अनन्य प्रकाशन, दिल्ली।
4. गुप्त, माताप्रसाद; तुलसीदास, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
5. सिंह, उदयभानु; तुलसी (संपादित), राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
6. सिंह, उदयभानु; तुलसी काव्य मीमांसा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
7. तिवारी, रामचंद्र; मध्ययुगीन काव्य-साधना, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, उत्तर प्रदेश।
8. सिंह, गोपेश्वर; भक्ति आंदोलन के सामाजिक आधार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
9. राय, प्रो. अनिल; भक्ति संवेदना और मानव-मूल्य, नयी किताब प्रकाशन, दिल्ली।
10. शर्मा, रामविलास; भारतीय सौंदर्य-बोध और तुलसीदास, साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली।
11. हाड़ा, माधव; तुलसीदास (संपादित), राजपाल एंड संस प्रकाशन, दिल्ली।

हिन्दी विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

B.A. (Hons.) Hindi

सेमेस्टर VII – DSE

भारतेंदु हरिश्चंद्र

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE भारतेंदु हरिश्चंद्र	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- आधुनिक हिंदी साहित्य की पृष्ठभूमि को समझाना।
- हिंदी सहित्य में भारतेंदु के योगदान को रेखांकित करना।
- नवजागरण तथा आधुनिक भावबोध की अवधारणा से परिचित करवाना।
- प्रथम स्वाधीनता संग्राम के बाद की राष्ट्रीय-सांस्कृतिक परिदृश्य से अवगत करवाना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- नवजागरण एवं आधुनिक भावबोध की संकल्पना से परिचित हो सकेंगे।
- भारतेंदु की रचनाओं एवं रचना-दृष्टि से परिचित होंगे।
- भारतेंदु युगीन परिस्थितियों एवं साहित्यिक प्रवृत्तियों से अवगत होंगे।
- भारतेंदु की रचनाओं में व्याप्त राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक बोध से परिचित हो सकेंगे।

इकाई – 1 : आधुनिक हिंदी साहित्य की पृष्ठभूमि और भारतेंदु युग **(12 घंटे)**

- भारतेंदु हरिश्चंद्र का रचना संसार : सामान्य परिचय
- भारतेंदु युगीन परिस्थितियां
- भारतेंदु युगीन साहित्यिक प्रवृत्तियां
- भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण

इकाई – 2 : भारतेंदु हरिश्चंद्र : काव्य पक्ष एवं पत्रकारिता **(9 घंटे)**

- गंगा वर्णन
- दशरथ विलाप
- मातृभाषा प्रेम से संबंधित दोहे – निज भाषा उन्नति, भ्रातगन आय
- मुकरियां – धन लेकर कहु, नहीं सखि चुंगी, सुंदर बानी, नहीं विद्यासागर

हिन्दी विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय

- संपादक के रूप में भारतेंदु हरिश्चंद्र – बालाबोधिनी, हरिश्चंद्र मैग्जीन

इकाई – 3 : भारतेंदु हरिश्चंद्र : नाट्यपक्ष **(12 घंटे)**

- अंधेर नगरी
- सत्य हरिश्चंद्र

इकाई – 4 : निबंध एवं अन्य गद्य विधाएं **(12 घंटे)**

- भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है? (निबंध)
- दिल्ली दरबार दर्पण (निबंध)
- नाटक (निबंध)
- सरयूपार की यात्रा (यात्रा-संस्मरण)
- स्वर्ग में विचार सभा का अधिवेशन (हास्य व्यंग्य)

सहायक ग्रंथ :

1. शर्मा, रामविलास; भारतेंदु युग, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. ब्रजरत्नदास; भारतेंदु हरिश्चंद्र, हिंदुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश।
3. शंभुनाथ; हिंदी नवजागरण (भारतेंदु और उनके बाद), वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
4. तनेजा, सत्येंद्र; नाटककार भारतेंदु की रंग परिकल्पना, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
5. अमरनाथ, डॉ.; हिंदी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
6. श्रीवास्तव, परमानंद (संपादक); अंधेर नगरी – भारतेंदु हरिश्चंद्र, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
7. ब्रजरत्नदास (संकलनकर्ता), भारतेंदु ग्रंथावली, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी, उत्तर प्रदेश।
8. शर्मा, रामविलास; भारतीय नवजागरण और यूरोप, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।

हिन्दी विभाग
दिल्ली-7
दिल्ली विश्वविद्यालय

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

B. A. (Hons.) Hindi

सेमेस्टर VII – DSE

जयशंकर प्रसाद

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE जयशंकर प्रसाद	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- छायावाद के संदर्भ में जयशंकर प्रसाद की भूमिका और महत्व से परिचित करवाना।
- जयशंकर प्रसाद के कवि, नाटककार, निबंधकार एवं कथाकार रूप को समझाना।
- जयशंकर प्रसाद के साहित्य के आधार पर हिंदी साहित्य की राष्ट्रीय-सांस्कृतिक चेतना को समझाना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थियों में जयशंकर प्रसाद के साहित्यिक व्यक्तित्व की गहरी समझ विकसित होगी।
- छायावाद और भारतीय राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन के अंतर्संबंधों से परिचित हो सकेंगे।
- जयशंकर प्रसाद के साहित्य के आधार पर यथार्थवादी-आदर्शवादी विचारधारा से परिचित हो सकेंगे।

इकाई – 1 : जयशंकर प्रसाद का जीवनवृत्त **(9 घंटे)**

- जीवन परिचय
- छायावाद और जयशंकर प्रसाद
- जयशंकर प्रसाद की राष्ट्रीय-सांस्कृतिक चेतना

इकाई – 2 : काव्य **(12 घंटे)**

- जयशंकर प्रसाद की काव्य-यात्रा : सामान्य परिचय
- अरी वरुणा की शांत कछार
- पेशोला की प्रतिध्वनि
- मुझको न मिला रे कभी प्यार
  (प्रसाद ग्रंथावली, खंड 1, रत्नशंकर प्रसाद (संपादक), लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

हिंदी विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय

इकाई – 3 : नाटक **(12 घंटे)**

- जयशंकर प्रसाद की नाट्य-यात्रा : सामान्य परिचय
- स्कंदगुप्त
  (प्रसाद ग्रंथावली, खंड 2 – रत्नशंकर प्रसाद (संपादक), लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

इकाई – 4 : निबंध एवं अन्य विधाएं **(12 घंटे)**

- काव्य और कला (निबंध)
- रंगमंच (निबंध)
- मधुआ (कहानी)
  (प्रसाद ग्रंथावली, खंड 4 – रत्नशंकर प्रसाद (संपादक), लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

सहायक ग्रंथ :

1. सिंह, नामवर; छायावाद, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. प्रेमशंकर; प्रसाद का काव्य, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. वाजपेयी, नंददुलारे; जयशंकर प्रसाद, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
4. गौतम, रमेश; नाटककार प्रसाद : तब और अब, अनन्य प्रकाशन, दिल्ली।
5. श्रोत्रिय, प्रभाकर; जयशंकर प्रसाद की प्रासंगिकता, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।
6. चातक, गोविंद; प्रसाद के नाटक : स्वरूप और संरचना, साहित्य भारती प्रकाशन, दिल्ली।
7. शाही, विनोद; जयशंकर प्रसाद : एक पुनर्मूल्यांकन, आधार प्रकाशन, पंचकूला, हरियाणा।
8. उपाध्याय, करुणाशंकर; जयशंकर प्रसाद : महानता के आयाम, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
9. प्रभाकर, विष्णु / शाह, रमेशचंद (संपादक); प्रसाद रचना संचयन, साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली।

हिन्दी विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020

B.A. (Hons.) Hindi

Semester VII – DSE

महादेवी वर्मा

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE महादेवी वर्मा	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- छायावाद के अंतर्गत महादेवी वर्मा के योगदान से परिचय करवाना।
- महादेवी वर्मा का साहित्यिक-सांस्कृतिक अवदान रेखांकित करना।
- महादेवी वर्मा की रचनात्मक गतिविधियों की जानकारी प्रदान करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी छायावाद के अंतर्गत महादेवी वर्मा के रचनात्मक योगदान से परिचित होंगे।
- महादेवी वर्मा के साहित्यिक-सांस्कृतिक अवदान की समझ विकसित होगी।
- महादेवी वर्मा के रचनात्मक कार्यों से परिचित हो सकेंगे।

इकाई – 1 : छायावाद और महादेवी वर्मा : सामान्य परिचय **(12 घंटे)**

- छायावाद : अर्थ, वैशिष्ट्य, स्वच्छंदतावाद और छायावाद
- छायावाद और महादेवी वर्मा
- स्वाधीनता आंदोलन में महादेवी वर्मा का योगदान
- संपादक के रूप में महादेवी वर्मा

इकाई – 2 : महादेवी वर्मा : काव्य पक्ष **(9 घंटे)**

- काव्य यात्रा
- वेदना तत्त्व, रहस्य भावना, सौंदर्य चेतना
- काव्य संवेदना
- काव्य शिल्प : भाषा, बिंब, प्रतीक, गीत

दिल्ली विश्वविद्यालय

इकाई – 3 : महादेवी वर्मा : गद्य पक्ष **(12 घंटे)**

- स्त्री समस्या और आलोचना कर्म
- रेखाचित्रों का वैशिष्ट्य : कथ्य एवं शिल्प
- संस्मरण लेखन : विषयवस्तु एवं अभिव्यक्ति
- गद्य का वैशिष्ट्य

इकाई – 4 : महादेवी वर्मा : पाठ आधारित अध्ययन **(12 घंटे)**

- कविता : मैं नीर भरी दुःख की बदली, कौन तुम मेरे हृदय में, मधुर-मधुर मेरे दीपक जल
- आलोचना : आधुनिक नारी
- संस्मरणात्मक रेखाचित्र : सुभद्रा कुमारी चौहान
- परख : मेरा परिवार (पुस्तक)

सहायक ग्रंथ :

1. पांडेय, गंगा प्रसाद; महीयसी महादेवी, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
2. गुप्त, सुरेश चंद्र; महादेवी की काव्य साधना, रीगल बुक डिपो, नयी दिल्ली।
3. गुप्त, डॉ. गणपतिचंद्र, महादेवी : नया मूल्यांकन, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
4. मदान, इंद्रनाथ (संपादक); महादेवी चिंतन और कला, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
5. श्रीवास्तव, परमानंद (संपादक); महादेवी, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
6. गुप्त, जगदीश; महादेवी, साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली।
7. सिंह, विजय बहादुर; महादेवी की कविता का नेपथ्य, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
8. गुप्त, रामचंद्र; महादेवी : साहित्य, कला, जीवन दर्शन, सरस्वती पुस्तक सदन, आगरा, उत्तर प्रदेश।
9. गौतम, लक्ष्मण दत्त; महादेवी वर्मा कवि और गद्यकार, कोणार्क प्रकाशन, दिल्ली।
10. पांडेय, रामजी (संपादक); महादेवी और उनका काव्य, सरस्वती बुक डिपो।
11. सिंह, दूधनाथ; महादेवी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020

B.A. (Hons.) Hindi

Semester VIII – DSE

सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- हिंदी साहित्य के अंतर्गत प्रयोगवाद से परिचित होना।
- अज्ञेय के रचना कर्म को समझना।
- साहित्यकार के रूप में अज्ञेय के योगदान से परिचित होना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी हिंदी साहित्य के इतिहास के अंतर्गत प्रयोगवादी साहित्यिक आंदोलन से परिचित होंगे।
- अज्ञेय के रचना-कर्म का विश्लेषण करने में सक्षम होंगे।
- रचनात्मक लेखन हेतु अभिप्रेरित होंगे।

इकाई – 1 : अज्ञेय का साहित्यिक योगदान **(12 घंटे)**

- प्रयोगवाद और अज्ञेय
- प्रयोगवाद की प्रमुख विशेषताएं
- अज्ञेय का काव्य : सामान्य परिचय
- अज्ञेय का गद्य-साहित्य : सामान्य परिचय

इकाई – 2 : अज्ञेय का कवि-कर्म **(12 घंटे)**

- कलगी बाजरे की
- यह दीप अकेला

हिंदी विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय

- जितना तुम्हारा सच है
- आज थका हिय हारिल मेरा
- शब्द और सत्य

इकाई – 3 : अज्ञेय का कथा-साहित्य **(12 घंटे)**

- शरणदाता (कहानी)
- खितीन बाबू (कहानी)
- अपने-अपने अजनबी (उपन्यास)

इकाई – 4 : अन्य गद्य विधाएं **(9 घंटे)**

- अज्ञेय : अपनी निगाह में (निबंध)
- बहता पानी निर्मला (यात्रा-संस्मरण)
- रूढ़ि और मौलिकता (आलोचना) (संवत्सर निबंध संग्रह में)

सहायक ग्रंथ :

1. पालीवाल, कृष्णदत्त; अज्ञेय के सामाजिक-सांस्कृतिक सरोकार, सस्ता साहित्य मंडल, दिल्ली।
2. पालीवाल, कृष्णदत्त (संपादक); अज्ञेय के साक्षात्कार, सस्ता साहित्य मंडल, दिल्ली।
3. आचार्य, नंदकिशोर; अज्ञेय की काव्य-तितीर्षा, वाग्देवी प्रकाशन, नोएडा, उत्तर प्रदेश।
4. सिंह, प्रेम; अज्ञेय : चिंतन और साहित्य, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
5. अज्ञेय; संवत्सर, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
6. कुमार, संजीव; जैनेंद्र और अज्ञेय : सृजन का सैद्धांतिक नेपथ्य, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली।
7. शाह, रमेशचंद्र; वागर्थ का वैभव, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
8. राय, रामकमल; शिखर से सागर तक, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।

हिन्दी विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय